मूल्य : एक प्रति ₹ 0.50 वार्षिक ₹ 5.00

नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद

वर्ष 19, अंक 1

nbt.india
एकः सूते सकलम्

जनवरी 2014

अंदर के पृष्ठों में . . . . . ➤

भारत-पोलैंड का संयुक्त उपक्रम : बाल पुस्तक 'लिटिल चोपीन' का लोकार्पण 2
कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक विक्रय केंद्र का उद्घाटन 3
पीतमपुरा दिल्ली हाट में कार्यशाला 3
न्यास-मुख्यालय में जापानी प्रतिनिधिमंडल 3
फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला 4
शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला 4
उत्तर-पूर्व साहित्यिक महोत्सव 5
मुंबई पुस्तक मेला 5
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया 5
राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह 2013 6
हाथरस में शिक्षा शिविर 7
झज्झर में सप्ताहांत आनंदोत्सव 7
न्यास-मुख्यालय में नववर्ष सम्मिलन 7
चिट्ठीघर 8
ई-बुक्स की दिशा में रा.पु. न्यास के बढ़ते कदम 8

मेरी बहना, मेरे भइया
सुनो हमारी बात
लगा शहर में पुस्तक मेला
चलो हमारे साथ!

नवीनतम प्रकाशन

हिमाचल के लोकगीत

संचयन, संपादन, लेखन : गौतम शर्मा 'व्यथित'

पृ. 388 ₹ 190

ISBN 978-81-237-6960-8

पुस्तकप्रेमियों की प्रतीक्षा खत्म

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2014 का अगले महीने आयोजन

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला फिर से दस्तक दे रहा है। लेखकों, पाठकों, पुस्तकप्रेमियों एवं प्रकाशकों का एक बार फिर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में जमावड़ा होगा जहाँ पुस्तकें होंगी, और केवल पुस्तकें होंगी। 15 से 23 फरवरी, 2014 की अवधि अफ्रीका-एशिया क्षेत्र के इस सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले की गवाह बनेगी। विदित हो कि इस पुस्तक मेले का सह-आयोजक है 'भारत व्यापार संवर्धन संगठन' (ITPO)

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2014 का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी के कर-कमलों द्वारा संपन्न होगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा सन् 1972 से प्रारंभ विश्व पुस्तक मेला का यह 22वाँ पड़ाव होगा।

विदित हो कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला प्रकाशन जगत का सबसे बड़ा आयोजन होता है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा अब तक इस पुस्तक मेले के 21 आयोजन हो चुके हैं। वर्ष 2012 तक द्विवार्षिक रूप से आयोजित होकर वर्ष 2013 से यह वार्षिक आयोजन हो गया है। इस बार इस मेगा पुस्तक आयोजन में प्रगति मैदान, नई दिल्ली में लगभग 1700 स्टॉल स्थापित किए जाएँगे जहाँ उम्मीद है कि गत वर्ष से अधिक प्रकाशक अपनी नवीनतम पुस्तकों के साथ उपस्थित होंगे।

वर्ष 2013 के नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के समापन दिवस पर पोलैंड को वर्ष 2014 के लिए 'सम्मानित अतिथि देश' बनाए जाने की घोषणा की गई थी। अतः स्वाभाविक तौर पर पोलैंड एक वृहत प्रतिनिधिमंडल को लेकर इस पुस्तक मेले में अपनी नवीनतम पुस्तकों के साथ उपस्थित होगा। इस हेतु पोलैंड के अनेक प्रकाशकों और प्रख्यात लेखकों का इस पुस्तक मेले में आगमन होगा। पोलैंड अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत के लोगों को न केवल पोलिश साहित्य से अवगत कराएगा, वरन अपनी कला, संस्कृति आदि अनेक आयामों से भारतीय लोगों को परिचित कराएगा। भारत के लोग भी पोलैंड की प्रस्तुतियों के माध्यम से उस देश के साहित्य-कला-संस्कृति आदि अनेक पहलुओं को निकट से देख, निरख सकेंगे और उस देश-विशेष के संबंध में बेहतर समझ बना सकेंगे। चूँकि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला साहित्य के साथ ही कला और संस्कृति का भी संगम होता है अतः हर बार की तरह इस बार भी प्रगति मैदान का लाल चौक भारतीय गीत-संगीत और नृत्यों से गुलजार रहेगा जहाँ प्रतिदिन सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

जाहिर है पोलैंड और हमारे विदेशी मेहमान भी भारतीय साहित्य के साथ-साथ हमारी कला-संस्कृति से भी अवगत हो सकेंगे।

कहना न होगा कि विश्व पुस्तक मेले जैसे इस वृहत आयोजन के माध्यम से विश्व साहित्य का सम्मिलन तो होता ही है, साथ ही वैश्विक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का इंद्रधनुषी सम्मिलन भी होता है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला अपने हर पड़ाव में कुछ नई चीजों के साथ उपस्थित होता है जो इसे और भी व्यापक एवं बहुद्देशीय बना देता है। वर्ष 2013 में हमने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में जिन विशेषताओं को जोड़ा था उनमें से अधिकांश इस वर्ष भी बनी रहेंगी। लेखकों का कोना या लेखक मंच को गत वर्ष पुस्तकप्रेमियों का अच्छा प्रतिभाव मिला था, क्योंकि यह विशिष्ट स्थान

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला

15 से 23 फरवरी, 2014

प्रगति मैदान, नई दिल्ली

सम्मानित अतिथि देश : पोलैंड

www.newdelhiworldbookfair.gov.in

थीम
बाल साहित्य
विशिष्ट आकर्षण
लेखक मंच
नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच
सीईओ स्पीक
ई-बुक्स एवं ई-जोन
सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

चलो पुस्तक मेला, पुस्तकों से जरा बात कर लें!

लेखक-पाठक-प्रकाशक का 'संगम स्थल' बन गया था। यहाँ लेखक-प्रकाशक अपनी नई पुस्तकों का न सिर्फ लोकार्पण करते हैं वरन लेखक अपने पाठकों से अपने अनुभव, लेखन-प्रक्रिया और विचार भी साझा करते हैं। पाठकों को यह अवसर मिलता है कि वे अपने पसंदीदा लेखकों से सीधे संवाद कर सकते हैं, उनके ऑटोग्राफ ले सकते हैं। यह लेखक-कोना इस बार भी रहेगा।

विश्व पुस्तक मेले के इस 22वें संस्करण का थीम बाल साहित्य पर केंद्रित होगा। इस हेतु मेले के आयोजक राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा मेला क्षेत्र में थीम-आधारित एक मंडप का निर्माण किया जाएगा, जहाँ प्रतिदिन बालोपयोगी गतिविधियाँ होंगी। बाल साहित्य के विकास एवं प्रोन्नयन को समर्पित, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का अनुभाग, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र इस अवसर पर बड़े पैमाने पर बाल-आधारित अनेकानेक कार्यक्रमों का समन्वय-आयोजन करेगा। इसके अंतर्गत बाल पुस्तकों की प्रदर्शनी, कथावाचन, संगोष्ठी, कार्यशाला, पेंटिंग प्रतियोगिता, खुद करके देखो आदि शामिल होंगे। बाल साहित्य के धुरंधर लेखक इस अवसर पर अपने बाल पाठकों से रू-ब-रू होंगे। इस अवसर पर थीम आधारित एक विशेष सूची पत्र के प्रकाशन की भी संभावना है।

भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक एक साथ मिल-बैठकर प्रतिलिप्यधिकार आदि का आदान-प्रदान कर सकें इस हेतु विशेष रूप से निर्मित प्रतिलिप्यधिकार मंच (राइट्स टेबल) इस बार भी रहेगा। दुनियाभर के प्रकाशक यहाँ आमने-सामने बैठकर प्रकाशन/अनुवाद प्रतिलिप्यधिकार आदि के विनिमय की संभावना तलाश सकेंगे। इस बार इस 'प्रतिलिप्यधिकार मंच' का आयोजन 17-18 फरवरी, 2014 को होगा।

गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी 'सीईओ स्पीक' पुस्तक मेले का एक प्रमुख आकर्षण रहेगा। इस फोरम का उद्देश्य होता है न्यास-अध्यक्ष के साथ प्रकाशन की दुनिया के दिग्गज, सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) आदि पुस्तक एवं प्रकाशन के हित, विकास एवं विस्तार हेतु अभिनव विचार आदि प्रस्तुत कर सकें।

ई-बुक्स और ई-प्रकाशन आज एक उभरती हुई प्रवृत्ति और उभरता बाजार है। स्वाभाविक तौर पर इसे इस पुस्तक मेला में महत्वपूर्ण रूप से परिलक्षित किया जाना है। न्यास इस हेतु मेला क्षेत्र में ई-बुक को समर्पित एक मंडप का निर्माण करेगा जहाँ ई-बुक प्रकाशक अपने उत्पाद का प्रदर्शन करेंगे।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ई-जोन का भी गवाह बनेगा—वह स्थान जहाँ इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन से जुड़े ज्वलंत विषयों पर विषय-विशेषज्ञ विचार-विमर्श करेंगे।

न्यास के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन एवं निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर के कुशल नेतृत्व में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का यह 22वाँ पड़ाव एक नई मंजिल तय करेगी यह आशा है।

मेले की दैनंदिन घटनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से न्यास हिंदी एवं अँग्रेजी में प्रतिदिन बुलेटिन का प्रकाशन करेगा। प्रकाशक एवं उनके हॉल/स्टॉल/स्टैंड आदि की जानकारी से युक्त फेयर डायरेक्टरी का भी हर बार की तरह इस बार भी प्रकाशन किया जाएगा, जिसे किफायती कीमत पर प्रकाशक/पुस्तकप्रेमी खरीद सकेंगे।

पुस्तक मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास हिंदी एवं अँग्रेजी समेत लगभग 22 भाषाओं में अपनी पुस्तकों के साथ विभिन्न हॉलों में उपस्थित रहेगा। हिंदी, अँग्रेजी एवं क्षेत्रीय भाषाओं की पुस्तकें अपने-अपने निर्धारित हॉलों में लगे स्टॉलों में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी। विदित हो कि न्यास विभिन्न भाषाओं में अनेक विषयों की पुस्तकें प्रकाशित करता है। न्यास की बाल पुस्तकों की भी अपनी विशिष्ट पहचान है।

मायानगरी मुंबई की अनेक विख्यात एवं महत्वपूर्ण शख्सियतें, यथा—जावेद अख्तर, इरफान खान आदि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2014 का दृश्य-श्रव्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार करेंगे।

भारत-पोलैंड का संयुक्त उपक्रम : बाल पुस्तक 'लिटिल चोपीन' का लोकार्पण

प्रख्यात पोलिश कंपोजर फ्रेडरिक चोपीन पर 'लिटिल चोपीन' नाम से प्रकाशित एक चित्रमय पुस्तक का लोकार्पण किया गया। 15 से 27 फरवरी, 2014 के दौरान आयोजित होने वाले नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में पोलैंड को अतिथि देश के रूप में शामिल किए जाने की शुरुआत के रूप में 14 नवंबर, 2013 को नई दिल्ली के ऑक्सफोर्ड बुक स्टोर में एक पुस्तक लोकार्पण समारोह में इस बाल पुस्तक का लोकार्पण किया गया। विदित हो कि आगामी विश्व पुस्तक मेला 'बच्चों के लिए साहित्य' विषय पर केंद्रित होगा।

माइकल रुसिनेक द्वारा लिखित उपरिवर्णित पुस्तक का अनुवाद अंतोनिया लॉयड-जॉन्स ने किया है तथा चित्रांकन जोना रुसिनेक द्वारा हुआ है। पुस्तक के इस भारतीय संस्करण का प्रकाशन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा किया गया। इस सुंदर, मनोरंजक और कवितामयी कहानी पुस्तक में बताया गया है कि कैसे लिटिल चोपीन एक प्रतिभाशाली कंपोजर बन गया। पुस्तक अब तक विश्व की दस भाषाओं में अनूदित हो चुकी है।

क्रैकोव, पोलैंड में अवस्थित पोलिश बुक इंस्टीट्यूट और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के बीच सहयोग का परिणाम है नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में पोलैंड की प्रतिभागिता। पोलिश बुक इंस्टीट्यूट और पोलिश इंस्टीट्यूट मिलकर नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले हेतु पोलिश साहित्यिक पुस्तकों का खजाना लाएँगे और सजाएँगे। भारत में पोलिश पुस्तक बाजार की एक झलक प्रस्तुत करने के क्रम में ये पोलिश लेखकों, आलोचकों, चित्रकारों एवं प्रकाशकों हेतु स्थान भी उपलब्ध कराएँगे। इस अवसर पर पोलैंड के कुछ अति महत्वपूर्ण लेखक यहाँ आएँगे। प्रख्यात पोलिश लेखक रिजार्ड कापुसिंस्की के जीवन एवं कर्म पर एक छायाचित्र प्रदर्शनी पुस्तक मेले का खास आकर्षण होगा। कापुसिंस्की की विख्यात कृति *शाह ऑफ शाहस* का हिंदी अनुवाद भी इस मेले में प्रदर्शित होगा।

''नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2014 *बच्चों के लिए साहित्य* विषय पर केंद्रित होगा और पोलैंड एक प्रदर्शनी के माध्यम से बाल चित्रांकन का प्रदर्शन करेगा और बच्चों के लिए पुस्तकें लाएगा'', नई दिल्ली स्थित पोलिश इंस्टीट्यूट की निदेशक अन्ना ट्रिक-ब्रोम्ले ने कहा। ''हम बेहतरीन ग्राफिक डिजाइन के लिए जाने जाते हैं और इन दिनों पोलैंड का बाल साहित्य प्रकाशन उभार पर है। मैं आश्वस्त हूँ कि हम भारतीय प्रकाशकों के साथ नए प्रकाशनों को लाने में पारस्परिक सहयोग कर सकेंगे, और इसलिए विख्यात पोलिश कंपोजर, फ्रेडरिक चोपीन पर एक बाल पुस्तक के प्रकाशन के साथ हमने एक सही शुरुआत की है'', उन्होंने आगे कहा।

न्यास-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने कहा, ''नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2014 में पोलैंड का अतिथि देश के रूप में सहभागिता हमारे पुस्तक मेले को समृद्ध करेगा और पुस्तकप्रेमी भारत में पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में पोलिश साहित्य और संस्कृति की समृद्ध और विशाल प्रस्तुति को देखेंगे और लाभान्वित होंगे।''

इस अवसर पर भारत में पोलैंड गणतंत्र के राजदूत, माननीय श्री प्योत्रे क्लोडकोवस्की ने मेले में पोलैंड को फोकस (अतिथि) देश के रूप में नामांकन का स्वागत किया और कहा कि ''इस अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में हमारी भागीदारी हमें एक-दूसरे से कुछ सीखने का एक अवसर होगा।'' राजदूत महोदय ने यह भी जानकारी दी कि विभिन्न भारतीय भाषाओं की अनेक महत्वपूर्ण कृतियों का पोलिश में अनुवाद किया जा रहा है। इनमें भगवद्गीता से लेकर ऋग्वेद तक और टैगोर, प्रेमचंद एवं अशोक वाजपेयी की रचनाएँ शामिल हैं।

पोलिश बुक इंस्टीट्यूट के निदेशक श्री जेगोज गॉडेन ने कहा, ''हम पोलिश साहित्य के विश्वभर में प्रोन्नयन के लिए एक जिम्मेवार संस्था हैं। मुझे इस बात से खुशी है कि आगामी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में पोलैंड को अतिथि देश का सम्मान मिला है।''

इस अवसर पर न्यास-अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने कहा, ''पोलैंड जैसे देश, जहाँ साहित्य के लिए चार नोबेल विजेता हैं, से हाथ मिलाने पर हमें खुशी है। यह सहयोग दिलचस्प होगा और दोनों देशों के मध्य साहित्य के समृद्ध विनिमय की राह खोलेगा।''

रा.पु. न्यास एवं दिल्ली मेट्रो का संयुक्त उपक्रम

कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक विक्रय केंद्र का उद्घाटन

''यह एक अच्छी शुरुआत है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पास पुस्तकों का एक व्यापक और वृहत्तर 'रेंज' है और ये पुस्तकें विविध विधाओं में हैं। मैं आशा करता हूँ कि इस पहल से दैनिक यात्रियों में पठन आदत का विकास होगा।'' दिल्ली मेट्रो के प्रबंध निदेशक श्री मंगू सिंह ने कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर रा.पु. न्यास एवं दिल्ली मेट्रो के संयुक्त प्रयास से अब तक के पहले मेट्रो स्टेशन पुस्तक पटल का उद्घाटन करते हुए ये उद्गार व्यक्त किए। विदित हो कि न्यास-अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन एवं न्यास-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर की गरिमामयी उपस्थिति में इस अभिनव मेट्रो पुस्तक विक्रय केंद्र का दिल्ली मेट्रो के प्रबंध निदेशक श्री मंगू सिंह ने 13 दिसंबर, 2013 को उद्घाटन किया।

आम लोगों के बीच पुस्तकों के प्रोन्नयन एवं पठन आदत को प्रोत्साहित करने की अभिनव पहल के क्रम में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत एवं दिल्ली मेट्रो (डीएमआरसी) ने हाल ही में समझौता-ज्ञापन (एमओयू) किया था। इस पहल के भाग के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की छात्र-छात्राओं एवं दैनिक मेट्रो यात्रियों को पुस्तकें खरीदने एवं पढ़ने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुछ चुनिंदा एवं महत्वपूर्ण मेट्रो स्टेशनों पर विशेष पुस्तक विक्रय केंद्र खोलने की योजना है। देशभर में पुस्तकोन्नयन के क्षेत्र में विकास के लिए समर्पित और कार्यरत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को उम्मीद है कि इस तरह की पहल से यात्रा के दौरान भी पुस्तकप्रेमी यात्री पढ़ने की अपनी भूख को शांत कर सकेंगे, विशेषकर तब जब मेट्रो में अधिक यात्री न हों।

मेट्रो और किताबों का साथ

दिल्ली मेट्रो और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के सहयोग से मेट्रो बुक शॉप के रूप में एक अच्छी शुरुआत हुई है। कश्मीरी गेट से शुरू होकर यह सिलसिला कई और स्टेशनों तक पहुँचेगा। ...मेट्रो बुक शॉप की योजना में पाठकों को किताबों के प्रति आकर्षित करने की नीयत नजर आती है। मेट्रो के स्मार्ट कार्ड रखने वालों को किताबों की बिक्री पर 15 फीसदी की छूट देने का नियम इसका सबूत है। लाइफ टाइम बुक क्लब मेंबर स्कीम भी ऐसी ही है। इस बुक शॉप पर ऑन लाइन खरीद भी की जा सकती है। रीडिंग हैबिट बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रयास दूसरी संस्थाओं को भी करने चाहिए। प्रकाशन विभाग और सूचना केंद्रों से लेकर राज्य साहित्य अकादमियों तक की देखरेख में किताबों के साथ-साथ पत्र-पत्रिकाओं के लिए भी छोटे-छोटे स्टॉल क्यों नहीं खोले जा सकते। यह समझना जरूरी है कि पत्रिकाएँ पढ़ने वाले ही बुक कल्चर को आगे बढ़ाते हैं।

नवभारत टाइम्स *में 16 दिसंबर, 2013 को प्रकाशित एक विचार*

मेट्रो कार्डधारकों के लिए पुस्तकों की खरीद पर 15% की छूट दी जाएगी। मेट्रो यात्री महज 100 रुपये देकर 'किताब क्लब' के सदस्य बन सकते हैं, और वे

पुस्तकों की खरीद पर 20% छूट पाने के हकदार बन जाएँगे। रा.पु. न्यास के प्रकाशन न्यास-मेट्रो पुस्तक पटल पर nbtindia.gov.in पर ऑनलाइन विक्रय हेतु भी उपलब्ध होंगे।

मेट्रो स्टेशन पर इस तरह के पुस्तक विक्रय केंद्र खोलने के पीछे न्यास का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को आकर्षित करने का है जो दिल्ली मेट्रो के नियमित यात्री भी हैं। न्यास इस व्यवस्था को राजधानी के मेट्रो स्टेशनों पर अपने प्रकाशनों को प्रदर्शित करने के एक अवसर के रूप में भी देख रहा है।

उम्मीद है कि मेट्रो स्टेशन पर अगला पुस्तक पटल विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर खुलेगा।

न्यास के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन एवं न्यास के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने मेट्रो प्रमुख श्री मंगू सिंह का स्वागत किया और उन्हें आम लोगों के बीच पठन आदत के प्रोन्नयन हेतु न्यास द्वारा किए जा रहे विभिन्न पहलों एवं कार्यों की जानकारी दी। श्री सिकंदर ने कहा, ''दो सरकारी निकायों की यह एक अनोखी पहल है और यह निश्चय ही लोगों में और अधिक पढ़ने को प्रोत्साहित करेगा। ...हमारा मकसद पुस्तकों का विक्रय नहीं बल्कि पुस्तकों का प्रोन्नयन करना है।''

पीतमपुरा दिल्ली हाट में कार्यशाला

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा पीतमपुरा दिल्ली हाट में 30 नवंबर, 2013 को आयोजित 'कॉमिक फेस्ट' में बच्चों एवं शिक्षकों के लिए दो आयोजन किए गए। सुपर हीरो और विलेन की इस सितारों भरी दुनिया का बच्चों एवं बड़ों ने भरपूर आनंद लिया। सुपर हीरो, डेमन एवं शक्तिशाली एलियंस के विशाल कटआउट के बीच युवा कथावाचिका जयश्री सेठी ने जब कहानियों से भरे झोले में से कहानियाँ निकालकर सुनाईं तो बच्चों ने हँसते, खिलखिलाते तो कभी ठहाका लगाते इन्हें बड़े चाव से सुना और गणित के कुछ कठिन प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस कथा सत्र के दौरान कहानियों के दौर चले, संगीत बजे, ड्रामा हुआ और अंतर्क्रियात्मक गेम्स का भी दौर चला। कार्यक्रम के दौरान बच्चे हँसते-खिलखिलाते रहे। बच्चों ने अपने मन की बात बताई कि कहानी सुनाए जाने के समय वे वास्तव में क्या कल्पना करते हैं। संगीत की मस्त धुनों ने माहौल में गरमी, ऊर्जा और आनंद भर दिया। खिली धूप की इस दुपहरिया ने रंगों और कहानियों में डूबे माहौल को और भी जीवंत बना दिया था।

न्यास में सहायक संपादक, श्री द्विजेंद्र कुमार ने बाल पत्रिका की तैयारी पर एक कार्यशाला का संचालन किया। प्रतिभागी बच्चों ने जाना कि बाल पत्रिका को कविता, कहानी और अन्य सामग्री से कैसे सजाया जाए। कार्यशाला में 300 से अधिक बच्चों और 50 से अधिक शिक्षकों ने भागीदारी की।

न्यास-मुख्यालय में जापानी प्रतिनिधिमंडल

हाल ही में नई दिल्ली स्थित जापान फाउंडेशन के महानिदेशक, मि. कत्सुमा दोई एवं सहायक निदेशक, सुश्री नचिको यामामुरा का राष्ट्रीय पुस्तक न्यास मुख्यालय, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आगमन हुआ। उन्होंने न्यास के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर के साथ बातचीत में एक-दूसरे के यहाँ लगने वाले पुस्तक मेलों सहित सहयोग के अनेक क्षेत्रों पर बात की।

मि. दोई ने जानकारी दी कि आगामी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में सुश्री मैको-सान जापानी परंपरागत नृत्यों पर प्रदर्शन-सह-व्याख्यान देंगीं। जापानी प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र के पुनर्सृजित पुस्तकालय-कक्ष एवं न्यास पुस्तक विक्रय केंद्र को भी देखा।

फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला

जर्मनी के शहर फ्रैंकफर्ट में 9 से 13 अक्तूबर, 2013 की अवधि में प्रतिष्ठित फ्रैंकफर्ट अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला का आयोजन हुआ। इस मेले में दुनियाभर के लगभग सौ देशों से 7,300 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया।

फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला में भारतीय भागीदारी हॉल नं. 8 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा विशेष रूप से निर्मित 'इंडिया नेशनल पैवेलियन' में रही। मंडप में रा.पु. न्यास एवं साहित्य अकादेमी सहित 21 भारतीय प्रकाशकों की पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।

भारत मंडप का उद्घाटन करते हुए जर्मनी में भारतीय उच्चायोग में काउंसिलर (अर्थ) श्री सुंदर कुमार ने मजबूत भारतीय भागीदारी पर अपनी खुशी व्यक्त की। भारतीय लेखन की वैश्विक उपस्थिति एवं वैश्विक पहचान को रेखांकित करते हुए उन्होंने ऐसे अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में अधिक-से-अधिक भारतीय प्रतिभागिता के प्रति आशा व्यक्त की।

भारतीय प्रकाशकों एवं लेखकों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए रा.पु. न्यास के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने कहा कि विभिन्न भाषाओं में समकालीन भारतीय लेखन बुलंदी पर है और इसे वैश्विक स्तर पर देखा-सुना जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले भारतीय पुस्तकों को वृहत्तर पाठक समुदाय तक पहुँचाने हेतु सशक्त मंच उपलब्ध कराते हैं।

देशभर से विभिन्न प्रकाशकों की 300 से अधिक, विभिन्न विषयों एवं विधाओं पर नवीनतम पुस्तकों के प्रदर्शन ने पुस्तकप्रेमियों का भारी ध्यान खींचा।

भारतीय लेखकों के प्रतिनिधिमंडल को ले जाने वाले साहित्य अकादेमी की भागीदारी लक्षित की जाने वाली रही। पठन एवं विमर्श सत्रों में जिन लेखकों की भागीदारी रही उनमें शामिल थे–डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, डॉ. रामकुमार मुखोपाध्याय, श्री पटेल कंजाभाई, श्री विक्रम विसाजी, श्री जीत थयिल, प्रो. एच.एस. शिवप्रकाश और डॉ. पुष्पा अवस्थी। विमर्श सत्र में न्यास-अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन भी शामिल रहे।

सम्मानित अतिथि होने के नाते पुस्तक मेले में ब्राजील की विशेष अवस्थिति रही। ब्राजील में इन दिनों विश्व में तेजी से बढ़ता प्रकाशन उद्योग है। ब्राजील से लेखकों एवं प्रकाशकों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल आया था। ब्राजील के प्रकाशन परिदृश्य में उभरती अवस्थिति के मद्देनजर रा.पु. न्यास ने फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला एवं नई दिल्ली स्थित जर्मन बुक ऑफिस के सहयोग से भारत मंडप में 'इंडो-ब्राजील बिजनेस राउंड टेबल' का आयोजन किया। श्री सेतुमाधवन की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक

में अन्य बातों के अलावा दोनों देशों के मध्य साहित्यिक आदान-प्रदान के तरीकों पर भी विचार किया गया। ब्रिक्स (BRICS) देशों की पहल के एक भाग के रूप में दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहाँ होने वाले पुस्तक मेलों में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की एवं साहित्यिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने हेतु सहमत हुए। मेले में बाल साहित्य पर विशेष फोकस होने के मद्देनजर दोनों पक्षों के भागीदार शुरुआती तौर पर बाल पुस्तकों के क्षेत्र में परस्पर आदान-प्रदान पर सहमत हुए।

भारतीय पक्ष प्रतिनिधि प्रमुख की अनेक देशों के पुस्तक विक्रेता संघ के साथ भी बैठकें हुईं। 2014 के नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में सम्मानित अतिथि देश का सम्मान पाने वाले पोलैंड के पुस्तक विक्रेता संघ के प्रतिनिधि के साथ भी बैठक हुई।

पुस्तक मेले के दौरन 20 से अधिक संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं व्यापारिक सम्मिलन आदि हुए तथा संवाद/वार्तालाप आदि भी हुए।

न्यास में उप निदेशक (प्रदर्शनी) श्री प्रदीप छाबड़ा ने पुस्तक मेले में भारतीय प्रस्तुति का समन्वय किया।

शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला

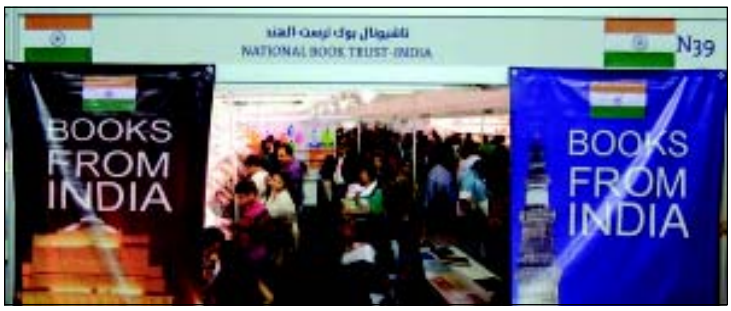

एशिया के मध्य-पूर्व क्षेत्र का सर्वाधिक महत्वपूर्ण, शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला का 6 से 16 नवंबर, 2013 की अवधि में आयोजन संपन्न हुआ। पुस्तक मेले में भारतीय प्रतिभागिता का नेतृत्व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा किया गया। वैसे, कुछ प्रकाशक अपने स्तर पर भी आए। भारत से कुल 60 प्रकाशकों ने इस पुस्तक मेले में भाग लिया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की बाल पुस्तकों, जीवनी पुस्तकों; उर्दू, मलयालम एवं हिंदी की पुस्तकों की यहाँ अच्छी माँग थी।

भारतीय प्रकाशक पुस्तक मेले में पुस्तकप्रेमियों की अच्छी-खासी भीड़ देखकर हर्षित हुए। पुस्तक मेले में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे आए और भारतीय पुस्तकों को देखकर काफी खुश हुए।

पुस्तक मेले के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल की विभिन्न देशों से आए अनेक प्रकाशकों से मुलाकात हुई। इन्हें आगामी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले एवं प्रतिलिप्यधिकार मंच की जानकारी दी गई।

पुस्तक मेले का पहला दिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिलिप्यधिकार समझौते एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पुस्तक विपणन पर प्रशिक्षण एवं व्याख्यान को समर्पित रहा। अगले दिन बाल शिक्षा पर सत्र विमर्श के बाद बैठकों का दौर रहा। प्रतिलिप्यधिकार विनिमय बैठक के दौरान रा.पु. न्यास का सीरिया और अजरबैजान के दो प्रकाशकों से समझौते हुए। प्रतिलिप्यधिकार बैठकों के दौरान अनेक देशों के प्रतिनिधियों को 2014 के नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले एवं प्रतिलिप्यधिकार मंच के संबंध में जानकारी दी गई। भारतीय पुस्तकों के इच्छुक प्रकाशकों को सूचीपत्र दिए गए।

शारजाह पुस्तक मेले में न्यास के स्टॉल पर अनेक प्रख्यात भारतीय विभूतियों का भी आगमन हुआ। ये थे– भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, अडूर गोपालकृष्णन, के.वी. थॉमस, रस्किन बॉन्ड, दीप्ति नवल आदि। हाल ही में दिवंगत हुए प्रख्यात अभिनेता फारूख शेख भी न्यास-स्टॉल पर आए थे। अभिनेत्री दीप्ति नवल फारूख शेख के साथ स्वयं पर हुए एक कार्यक्रम में भी शामिल हुईं। पुस्तक मेले में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य, न्यास में सहायक निदेशक, श्री समरेश ने कार्यक्रम का समन्वय किया। प्रतिनिधिमंडल के एक अन्य सदस्य थे न्यास में सहायक निदेशक, श्री राजीव चौधरी।

उत्तर-पूर्व साहित्यिक महोत्सव

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने सिक्किम सरकार के सांस्कृतिक मामले एवं धरोहर विभाग तथा सिनेदरबार के सहयोग से गंगटोक, सिक्किम के मनन केंद्र में 8-9 नवंबर, 2013 के दौरान 'टेन, टेन, टेन' नाम से एक दो-दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में न्यास द्वारा पुस्तक प्रोन्नयन एवं पठन-अभिरुचि के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों का एक अंग था।

इस साहित्यिक महोत्सव का उद्घाटन करते हुए राज्य की सांस्कृतिक मामले एवं धरोहर विभाग की सचिव एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती नलिनी जी. प्रधान ने युवाओं के बीच पठन संस्कृति के प्रोन्नयन हेतु रा.पु. न्यास द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु न्यास को धन्यवाद दिया। उन्होंने कथावाचन जैसी विलुप्त हो रही परंपरा को पुनर्जीवित करने के न्यास के उपक्रम की सराहना की और युवाओं का आह्वान किया कि वे पुस्तकालय सुविधा का अधिक-से-अधिक लाभ उठाएँ तथा और अधिक पढ़ें। ''यह बेहद महत्वपूर्ण है कि लोकसाहित्य को अभिलेखित किया जाए, ताकि समय के प्रवाह में ये गायब न हो जाएँ।'' उन्होंने कहा।

दो दिनों का यह महोत्सव परंपरा और साहित्य का एक अपूर्व संगम था। इस महोत्सव की शुरुआत उर्दू कथावाचन के लुप्त होते रूप–दस्तनगोई–की दो कलाकारों, नदीम शाह और सुरेंदर धींगड़ा द्वारा प्रस्तुति से हुई। इसके बाद, सिक्किम मनिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रमुख डॉ. अजय झा द्वारा *एक वैज्ञानिक की दृष्टि में लोकसाहित्य* विषय पर संवाद किया गया। 'जनजातीय वाचिक कथावाचन' सत्र के दौरान सलिल मुखिया ने वाचिक लोकसाहित्य पर प्रस्तुति दी।

नेपाली साहित्य और इसके वर्तमान परिदृश्य पर भी एक विमर्श हुआ। सिक्किम यूनीवर्सिटी के प्रो. बलराम पांडे ने नेपाली साहित्य पर अपने विचार रखे।

अंतिम सत्र में कवि गोष्ठी में अप्सरा दहाई और मीना सुब्बा ने कविता पाठ किया।

'लीजेंड्स ऑफ द लेप्चाज : फोकटेल्स फ्रॉम सिक्किम' पुस्तक पर विमर्श में लेखिका, सुश्री यीशे डोमा ने पुस्तक के बारे में बात की और श्रोताओं से संवाद किया। जिन अन्य विषयों पर सत्र-चर्चा हुई वे थे–*नई मीडिया के रूप में उभरता ब्लॉगिंग, वाचिक कथावाचन परंपरा में मुख के शब्द और शहरी संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता* तथा *सिक्किम में प्रकाशन परिदृश्य : स्थानीय साहित्यिक परिदृश्य में इसका भविष्य एवं महत्व।*

इस दो दिवसीय महोत्सव का समापन जापानी फिल्म 'तोनी ताकितानी' (2004) के प्रदर्शन के साथ हुआ।

कार्यक्रम का समन्वय न्यास में अँग्रेजी संपादक सुश्री कैरोलिन पाओ ने किया।

मुंबई पुस्तक मेला

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 12 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद मुंबई में 29 नवंबर से 3 दिसंबर, 2013 तक पुस्तक मेला-सह-साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुस्तक मेले का उद्घाटन न्यास-अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन एवं न्यास-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर की गरिमामयी उपस्थिति में, प्रख्यात मराठी लेखक श्री बालचंद्र नेमाडे द्वारा किया गया। सम्मानित अतिथि थे मराठी कवि श्री सतीश कालसेकर। उद्घाटन-अवसर पर अपने संबोधन में न्यास-अध्यक्ष श्री सेतुमाधवन ने कहा, ''हमारे घरों में टेलीविजन अथवा अन्य महँगे और भव्य उपस्कर हमें सभ्य और सांस्कृतिक नहीं बनाते, जबकि एक छोटा-सा बुकशेल्फ हमें ऐसे बना देते हैं। इसलिए हम आज से ही पठन-आदत को अपने मन में बिठा लें, न केवल अपने मन में बल्कि अपने बच्चों के मन में भी यह भावना भरें।''

न्यास-निदेशक श्री सिकंदर ने कहा, ''यह एक बड़ा नगर है और मुंबईवासी गंभीर पाठक हैं। अब से हम हर वर्ष मुंबई आएँ ऐसी हमारी इच्छा है।''

इस पाँच दिवसीय पुस्तक मेले के दौरान 100 से अधिक अँग्रेजी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के प्रकाशकों ने लगभग 140 स्टॉलों में अपनी किताबों का प्रदर्शन किया। मेले में अँग्रेजी, मराठी, हिंदी, उर्दू, गुजराती और अनेक अन्य भाषाओं की पुस्तकें उपलब्ध थीं। बड़ी संख्या में लेखक, साहित्यकार एवं पुस्तकप्रेमी पुस्तक मेले में आए।

इन पाँच दिनों में छह साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मराठी कविता पर संगोष्ठी, कविता वाचन सत्र, सिनेमा और साहित्य विषय पर संगोष्ठी, मराठी नाटक *ज्याचा त्याचा प्रश्न* की पठन प्रस्तुति, लेखक से मिलिए कार्यक्रम तथा न्यास से प्रकाशित पुस्तक *तोत्तोचान* की पठन प्रस्तुति इन कार्यक्रमों में शामिल रहे।

इन कार्यक्रमों में भागीदार विद्वान थे–प्रो. चंद्रकांत पाटील, प्रो. वसंत पटनेकर, श्री नीलकांत कदम, प्रो. कमलेकर सोनटक्के आदि।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने सिक्किम अकादमी के साथ नेपाली साहित्य परिषद भवन, गंगटोक में 8 से 11 नवंबर, 2013 के दौरान एक विशिष्ट पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। इस अवसर पर न्यास की हिंदी, अँग्रेजी, नेपाली, भूटिया, लेप्चा एवं बांग्ला भाषाओं की, विभिन्न विषयों पर, पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। इस प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों, शिक्षकों एवं पुस्तकप्रेमियों ने भरपूर उत्साह से भाग लिया।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह 2013

कोल्हापुर शहर एवं डनोली गाँव, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में 15 से 17 नवंबर की अवधि में करवीर नगर वाचन मंदिर के सहयोग से एवं डनोली गाँव (जिला कोल्हापुर) में 19 से 21 नवंबर, 2013 की अवधि में डनोली हाई स्कूल के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कोल्हापुर शहर में 16 नवंबर को न्यास से हाल में प्रकाशित 'राजर्षि साहु छत्रपति' शीर्षक जीवनी-पुस्तक का लोकार्पण किया गया तथा *छत्रपति साहु के आधुनिक महाराष्ट्र के निर्माण में योगदान* विषय पर एक संगोष्ठी भी हुई। इससे पूर्व, 15 नवंबर को करवीर नगर वाचन मंदिर स्कूल परिसर में पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। अध्यक्षता श्री राजाभाऊ जोशी (अध्यक्ष केएनवीएम) ने की। न्यास में मराठी भाषा संपादक श्री राहुल कोसम्बी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं न्यास की गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. रमेश जाधव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रो. (डॉ.) रमेश जाधव द्वारा लिखित 'राजर्षि साहु छत्रपति' का लोकार्पण प्रख्यात लेखक श्री राजेंद्र कुम्भार ने किया। गोविंदराव पानसारे एवं मनोज सालुंखे (संपादक–डेली सकल) मुख्य अतिथि थे।

17 नवंबर को 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम में शामिल लेखक थे–आनंद विंगकर, प्रवीण बांदेकर एवं किरण गुरव। अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) अशोक चौसलकर ने की। प्रो. (डॉ.) राजन गवास, मराठी विभाग प्रमुख, भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

डनोली स्थित डनोली हाईस्कूल में 19 से 21 नवंबर के दौरान पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। 19 नवंबर को पुस्तक लोकार्पण के अंतर्गत न्यास की 10 बाल पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। *केवल पठन ही मार्गदर्शन दे सकता है* विषय पर संगोष्ठी भी हुई। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन मराठी भाषा सलाहकार समिति के सदस्य श्री सतीश कालसेकर ने किया। पुस्तक लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता श्री राजभाऊ शिरगुप्पे ने किया तथा पुस्तकों का लोकार्पण भी। 20 नवंबर को कवि सम्मिलन हुआ। वरिष्ठ मराठी लेखक प्रो. वसंत केशव पाटील से साक्षात्कार एवं संवाद 20 नवंबर को ही हुआ। 21 नवंबर को 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम में प्रख्यात उपन्यासकार प्रो. कृष्नट खौट के साथ पुस्तकप्रेमियों ने संवाद किया। डनोली में कार्यक्रम समापन के मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात लेखक डॉ. सुनीलकुमार लावटे उपस्थित थे। सर्वोदय शिक्षण प्रसारक मंडल, शिरोल के निदेशक श्री अभयकुमार पाटील ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रकाशम एवं हैदराबाद, आंध्र प्रदेश

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिला के ओंगोलू एवं हैदराबाद में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा पुस्तक लोकार्पण समारोहों का आयोजन किया गया।

ओंगोलू में 15 नवंबर, 2013 को हुए पुस्तक लोकार्पण समारोह में न्यास को जिला पुस्तकालय, प्रारसम एवं प्रकाशम जिला लेखक संघ और साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था *आइकेवेदिका* का भी सहयोग मिला। 14 व 15 नवंबर को स्थानीय स्कूली बच्चों के लिए साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर न्यास की बच्चों के लिए पुस्तकमाला, नेहरू बाल पुस्तकालय, के अंतर्गत प्रकाशित तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। ये थीं–*सम्मी द स्नेल* (रूपम कैरोल, अनु. : बंडारू जयश्री), *टिट फॉर टैट* (केंगसम केंगलम, अनु. : मल्लिका रानी जे.) एवं *होलीडेज हैव कम* (रवींद्रनाथ टैगोर, अनु. : कन्देपी रानी प्रसाद)।

आचार्य नागार्जुन यूनीवर्सिटी के कुलपति प्रो. कोदाति वियन्ना राव इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। इन पुस्तकों का श्री राव द्वारा लोकार्पण किया गया। सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद थे प्रख्यात बाल साहित्यकार डॉ. वेलागा वेंकटापय्या; डॉ. धारा रामनाथ शास्त्री; प्रकाशम जिला के जिला शिक्षा अधिकारी, श्री अनाभेरी राजेश्वर राव; प्रख्यात बाल साहित्यकार एवं कवि, डॉ. मल्लावरापु राजेश्वर राव तथा प्रख्यात आलोचक एवं कवि, डॉ. चिल्लारा भवानिद देवी।

समन्वयक एवं अध्यक्ष जिला ग्रंथालय समास्ता श्री एस.वी. शेषय्या ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पुस्तक लोकार्पण के बाद डॉ. वेंकटापय्या एवं अन्य अतिथियों ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं इसके कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने 14-15 तारीख को हुए निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कारस्वरूप न्यास की पुस्तकों के साथ प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

धन्यवाद ज्ञापन स्थानीय समन्वयक नुकाटोटी रविकुमार ने किया।

हैदराबाद में हुए पुस्तक लोकार्पण समारोह के सहयोगी रहे श्री त्यागराया गणसभा एवं बाल साहित्य परिषद, हैदराबाद। कार्यक्रम में न्यास की तीन बाल पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। ये थीं–*एनिमल यू कान्ट फॉरगेट* (रस्किन बॉन्ड), *दादी* (हसन मंजर, अनु. : जी.वी. रत्नाकर) तथा *द रॉयल स्वीपर* (रमेंद्र कुमार, अनु. : पथिपका मोहन)।

तेलुगु यूनीवर्सिटी के पूर्व कुलपति एवं साहित्य अकादेमी विजेता प्रो. एन. गोपी समारोह के मुख्य अतिथि थे और इन्होंने ही पुस्तकों का लोकार्पण किया। *चंदामामा* के प्रख्यात लेखक श्री जोनालागड्डा राजगोपाल राव, प्रख्यात कथाकार श्री पी. चंद्रशेखर आजाद एवं असिस्टेंट प्रोफेसर तथा आलोचक डॉ. एस. रघु सम्मानित अतिथि एवं वक्ता के रूप में थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उस्मानिया यूनीवर्सिटी के तेलुगु विभाग प्रमुख प्रो. एस.वी. सत्यनारायण ने समारोह की अध्यक्षता की। पुस्तक लोकार्पण के बाद प्रो. गोपी, श्री आजाद एवं श्री रघु ने पुस्तकों पर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि प्रो. गोपी ने रा.पु. न्यास के कार्यों की प्रशंसा की।

न्यास में तेलुगु भाषा संपादक डॉ. पथिपका मोहन ने अतिथियों को पुस्तक-बुके से सम्मानित किया एवं न्यास की गतिविधियों की जानकारी दी। स्वागत उद्बोधन डॉ. के. वी. दीक्षितुलु ने किया। धन्यवाद ज्ञापन बाल साहित्य परिषद के सचिव श्री देशारि वेंकट रमन ने किया।

दोनों ही स्थानों पर कार्यक्रम का समन्वय रा.पु. न्यास में तेलुगु भाषा संपादक डॉ. पथिपका मोहन ने किया।

हाथरस में शिक्षा शिविर

उत्तर प्रदेश के शहर हाथरस में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 6 दिसंबर, 2013 को शिक्षा शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन हाथरस स्थित मुरसान प्रखंड के राजकीय प्राथमिक एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय में किया गया। इसमें वर्ग 1 से 5 तक के छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता एवं वर्ग 6 से 8 के छात्रों ने अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। चित्र बनाने एवं लिखने आदि के लिए सामग्री न्यास द्वारा प्रदान की गई। वर्ग 3 से 8 तक के बच्चों द्वारा कविता वाचन भी किया गया। इस कार्यक्रम में जिला बुनियादी शिक्षा अधिकारी, श्री दविंदर गुप्ता, जिला समन्वयक श्री एस.एन. सिंह, प्रखंड समन्वयक श्रीमती संध्या, प्रखंड शिक्षा अधिकारी श्री नंदित कुमार गुप्ता, राजकीय डिग्री कॉलेज, मथुरा के डॉ. राजेश कुमार, पीएस हतीसा नं. 2 से श्रीमती रेनु गुप्ता, यूपीएस हतीसा से श्री संतन स्वरूप एवं पीएस हतीसा से श्रीमती पूनम वार्ष्णेय ने भाग लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने न्यास द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पुस्तकोन्नयन के कार्य की प्रशंसा की। न्यास के अधिकारी डॉ. दीपांकर गुप्ता ने न्यास की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, साथ ही, धन्यवाद ज्ञापन किया। न्यास की ही सुश्री सुनीता नरोत्रा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

इस शिक्षा शिविर के साथ-साथ न्यास की ओर से कार्यक्रम स्थल पर सचल पुस्तक वाहन के माध्यम से पुस्तक प्रदर्शनी-सह-बिक्री भी की गई।

कार्यक्रम में अतिथियों/आमंत्रितों को स्मरण चिह्न प्रदान किए गए। प्रतिभागी लगभग 300 बच्चों को न्यास की ओर से स्टेशनरी सामग्री उपहार में दी गईं, साथ ही जलपान आदि भी कराया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। गान प्रस्तुत करने वाले बच्चों ने भी पुरस्कार प्राप्त किए।

झज्झर में सप्ताहांत आनंदोत्सव

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के कर्मियों को सप्ताहांत आनंदोत्सव के दूसरे पड़ाव में इस बार झज्झर जाने का अवसर मिला। इसी वर्ष मार्च में आगरा यात्रा के बाद हरियाणा के झज्झर में प्रतापगढ़ फार्म्स रिजोर्ट में न्यासकर्मियों के आनंदोत्सव का दूसरा पड़ाव 23 नवंबर, 2013 को था। अपने परिवार के साथ गए कर्मियों ने हरियाणा की परंपरा के अनुकूल सुसज्जित इस रिजोर्ट में ऊँट पर सवारी का आनंद लिया, गुलेल छोड़े, गुल्ली-डंडा पर हाथ आजमाए, तीर-धनुष चलाए, चरखा काते और दूध बिलोने का भी आनंद लिया। मिट्टी के बरतन बनाने की कला भी आजमाई। कर्मियों के बच्चों के लिए भी मौज-मस्ती का पूरा प्रबंध था। नाच-गाने भी हुए। बच्चों को उपहार भी दिए गए।

न्यास-मुख्यालय में नववर्ष सम्मिलन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के नई दिल्ली स्थित न्यास-मुख्यालय में पहली जनवरी, 2014 को एक अनौपचारिक नववर्ष सम्मिलन हुआ। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने समस्त न्यासकर्मियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा, ''हर दिन सूरज की पहली किरण का प्रस्फुटन एक नए पृष्ठ खुलने के समान है। आइए, हम इस सुबह का स्वागत करें!'' उन्होंने आगे कहा कि नए वर्ष में हम कुछ और बेहतर मनुष्य बन सकें यही कामना है। न्यास के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने शुभकामना-प्रेषण की औपचारिकता के बाद कहा कि एनबीटी (रा.पु. न्यास) की दृश्यता बढ़ी है। हम 'टीम वर्क' से काम करें और नई ऊँचाई पर पहुँचें हमारी यही कामना है। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2014 का उद्घाटन राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी करेंगे। आयोजन के अंत में चाय व अल्पाहार हुआ।

श्रद्धांजलि

प्रख्यात अभिनेता **फारूक़ शेख** का दुबई में 27 दिसंबर, 2013 को निधन हो गया। वे 65 वर्ष के थे। फारूक़ थिएटर के अभिनेता तो थे ही समांतर सिनेमा और कला फिल्मों के भी दिग्गज कलाकार थे। *गरम हवा, शतरंज के खिलाड़ी* एवं *उमराव जान* उनकी महत्वपूर्ण फिल्में हैं। रा.पु. न्यास के साथ उनका गहरा रिश्ता था। विश्व पुस्तक मेलों में उनकी उपस्थिति और उनके संबोधन पुस्तकप्रेमियों के लिए खासा महत्वपूर्ण होते थे।

राजस्थानी और हिंदी के वयोवृद्ध साहित्यकार **अन्नाराम सुदामा** का 2 जनवरी, 2014 को बीकानेर में निधन हो गया। वे 90 वर्ष के थे। सुदामा ने कहानी, कविता, उपन्यास, यात्रा वृत्तांत के अलावा बाल साहित्य लेखन भी किया। राजस्थान का लोक-जीवन उनके लेखन के केंद्र में रहा है। उन्हें 1987 में राजस्थानी भाषा के साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL (SW) 1/4077/2012-14
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2012-14
Mailing date 15/16 same month
Date of publication 08/1/2014

चिट्ठीघर

संवाद से देश-दुनिया के पुस्तक मेले, साहित्यिक विमर्श आदि के अलावा कई महत्वपूर्ण प्रकाशनों की जानकारी भी मिलती है। प्रस्तुति एवं संयोजन की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है।

रमा शंकर जोशी, पुस्तकालयाध्यक्ष, लोहचा पाटम, मुंगेर

मैं पाण्डे गाँव, कोराबाग (भाबर) नैनीताल का निवासी हूँ। मैंने आपकी पुस्तक 'मेरी यादों का पहाड़' खरीदी और पढ़ी। मुझे बहुत आनंद आया। मैं 72 + हूँ। मैं पढ़ते-पढ़ते समझ लो 70 साल पीछे चला गया, जब मैं गाँव में था। मुझे लगा कि मैं हूबहू अपनी ही जीवनी पढ़ रहा हूँ। मुझे बहुत आनंद आया, दो सिटिंग में पूरी पुस्तक पढ़ गया। अब रिवाइज़ करूँगा। यह अपना ही अनुभव दुहराना हुआ।

उमेशचंद्र पाण्डेय, द्वारका, नई दिल्ली

संवाद के माध्यम से रा.पु. न्यास की गतिविधियों को जानना सचमुच बड़ा सुखद है।

मुकुंद कौशल, दुर्ग, छत्तीसगढ़

सृजन और साहित्य से जुड़ने की फरियाद / जागो, जगाने आ गया, घर-घर में **संवाद**।

रामेश्वर प्रसाद गुप्त इंदु, बड़ागाँव, झाँसी, उ.प्र.

रा.पु. न्यास द्वारा पुस्तक पठन-पाठन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जो प्रयास किए जा रहे हैं वह सराहनीय है।

देशपाल सिंह सेंगर, औरैया, उ.प्र.

ई-बुक्स की दिशा में रा.पु. न्यास के बढ़ते कदम

नई दिल्ली स्थित न्यास-मुख्यालय में 2 जनवरी, 2014 को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत एवं मे. नाइनस्टार्स के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसके अंतर्गत न्यास की पुस्तकों को ई-बुक्स के रूप में विकसित करने की योजना है। ई-बुक्स के विकास का काम पहले ही शुरू हो चुका है और ई-बुक्स के पाठक आगामी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में हमारे कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशनों के ई-बुक्स वर्सन को देख सकेंगे।

पुस्तक हमारी आन, बान, शान
पुस्तक से कर दोस्ती, पुस्तक को पहचान!

नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद* भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का मुख पत्र है।

इस पत्र के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **बलदेव सिंह 'बद्दन'**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
उत्पादन अधिकारी : **नरेन्द्र कुमार**

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेलः office.nbt@nic.in
वेबसाइट : www.nbtindia.gov.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद*** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से सतीश कुमार द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा पुष्पक प्रेस प्रा.लि., 203-204, डी.एस.आई.डी.सी. शेड, फेज-I, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 से प्रकाशित। संपादक : बलदेव सिंह 'बद्दन'।

एस.एस. इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, जी.जी.-1/36बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018 से टाइपसेट।

भारत सरकार सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070